ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 169

कफ-सिरप से दो राज्यों में अब तक 23 बच्चों की मौत:5 राज्यों में कोल्ड्रिफ सिरप बैन, CBI जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका



24 न्यूज अपडेट

मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीला कफ सिरप पीने से अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें मध्य प्रदेश में 2 सितंबर से 19 बच्चों और राजस्थान में 4 बच्चों की मौत हो चुकी है। मामला सामने आने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और पंजाब ने इस सिरप की बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। इसमें मामले की CBI जांच कराने और देशभर में दवाओं की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांग की गई है।

एडवोकेट विशाल तिवारी ने याचिका में मांग की है कि कोर्ट सरकार को राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश दे और जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ट जज की निगरानी में हो।

वहीं, मामले में तमिलनाडु के ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने सिरप बनाने वाली कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस दवा को कांचीपुरम की कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स बनाती है। सरकार ने पांच दिन के अंदर कंपनी से जवाब मांगा है।

गुजरात की दो कंपनियों के सिरप में भी जहर

वहीं, कफ सिरप बनाने वाली गुजरात की दो कंपनियों के सैंपल में भी जहरीले डायएथिलिन ग्लायकॉल (DEG) और एथिलिन ग्लायकॉल (EG) की मात्रा ज्यादा मिली है। छिंदवाड़ा से 19 दवाओं के सैंपल लिए गए थे।

गुजरात की रीलाइफ सिरप और रेस्पिफ्रेस टीआर सिरप में गड़बड़ी मिली है। मध्य प्रदेश में इन दोनों सिरपों के स्टॉक और बिक्री पर बैन लगा दिया गया है। गुजरात सरकार को जांच के लिए लेटर भी लिखा है।

कोल्ड्रिफ की फैक्ट्री में 350 से ज्यादा गड़बड़ियां मिलीं

इससे पहले तमिलनाडु सरकार की जांच कमेटी को कोल्ड्रिफ बनाने वाली श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स की फैक्ट्री में 350 से ज्यादा गड़बड़ियां मिली थीं। जिन्हें क्रिटिकल और मेजर श्रेणी में रखा गया था।

कंपनी में दवा बनाने के लिए योग्य और प्रशिक्षित कर्मचारी नहीं थे।

फैक्ट्री बहुत गंदी थी, वहां न सफाई थी और न ही सही वेंटिलेशन व्यवस्था थी।

कई मशीनें टूटी और जंग लगी हुई थीं।

फैक्ट्री में सुरक्षा के जरूरी उपकरण जैसे एयर हैंडलिंग यूनिट लगाए ही नहीं गए थे।

दवा बनाने में घटिया और गैर-फार्मा क्वालिटी के केमिकल इस्तेमाल किए गए थे।

कंपनी ने 50 किलो प्रोपाइलीन ग्लाइकोल बिना बिल के खरीदा था।

दवा में डायथिलीन ग्लाइकोल (DEG) नाम का जहरीला केमिकल मिला।

लिक्विड दवाओं को प्लास्टिक पाइप से ट्रांसफर किया जा रहा था, जिससे दवा गंदी हो सकती थी।

फैक्ट्री में दवा छानने की कोई व्यवस्था नहीं थी। केमिकल का गंदा पानी सीधे नालियों में छोड़ा जा रहा था।

EPFO की मिनिमम पेंशन बढ़कर 2500 होगी:11 साल से 1000 महीने मिल रही, 10-11 अक्टूबर की मीटिंग में फैसला संभव



24 न्यूज अपडेट

एम्प्लॉयी पेंशन स्कीन के तहत मिलने वाली एक हजार रुपए महीने की मिनिमम पेंशन बढ़कर 2500 रुपए हो सकती है। EPFO के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (CBT) की मीटिंग में इस पर फैसला हो सकता है। ये मीटिंग 10-11 अक्टूबर को बेंगलुरु में होनी है।

अगर पेंशन बढ़ाने का प्रपोजल मीटिंग में पास हो गया, तो ये 11 साल में पहली बढ़ोतरी होगी। 1000 महीने की न्यूनतम पेंशन 2014 में तय की गई थी और तब से ये नहीं बढ़ी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 30 लाख से ज्यादा पेंशनर्स को न्यूनतम पेंशन मिल रही है।

पेंशन किसे मिल सकती है?

जो कोई भी कम से कम 10 साल की लगातार नौकरी पूरी करके 58 साल की उम्र तक पहुंच जाता है, वो ईपीएस के तहत नियमित

पेंशन के हकदार हो जाता है।

अगर सदस्य बीच में नौकरी छोड़ दे, तो वो या तो अपनी जमा हुई पेंशन निकाल सकता है या फिर कम रकम वाली पेंशन चुन सकता है।ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि फेराइट मोटर उसी क्षमता, प्रदर्शन और मजबूती के साथ चलती है, लेकिन इसकी लागत बहुत कम है। साथ ही, इससे सप्लाई चेन में आने वाले उतार-चढ़ाव का खतरा भी खत्म हो जाएगा, जिससे स्कूटर बनाना आसान और सस्ता होगा।

चूरू के ओपीजेएस विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश पर रोक



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 7 अक्टूबर। प्रदेश सरकार भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं त्वरित बनाने के लिए निरंतर सुधारात्मक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार भर्ती प्रक्रियाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। बीते दिनों राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जाँच व सत्यापन के दौरान चूरू के ओपीजेएस विश्वविद्यालय की अनेक डिग्रियां फर्जी होने के तथ्य संज्ञान में आये। इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा गठित समिति की जाँच रिपोर्ट के बाद ओपीजेएस विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश पर रोक लगाई गई है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कुलदीप रांका ने बताया कि एसओजी ने ओपीजेएस विश्वविद्यालय द्वारा बिना अध्यापन के ही कूट रचित तरीके से डिग्रियां जारी करने के प्रकरणों की जाँच रिपोर्ट विभाग को प्रस्तुत की थी। इसकी गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन संभागीय आयुक्त सीकर के नेतृत्व में जाँच समिति गठित की गयी थी। जाँच रिपोर्ट में विश्वविद्यालय द्वारा ओपीजेएस विश्वविद्यालय चूरू अधिनियम, 2013 के विभिन्न प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया।

उन्होंने बताया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा एवं परीक्षा परिणामों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहाँ कोई भी नियमित पाठ्यक्रम नियमानुसार संचालित नहीं है। श्री रांका ने बताया कि जाँच समिति ने ओपीजेएस विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्क्रमों में प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने की अनुशंसा की थी। इसके बाद विभाग द्वारा विश्वविद्यालय को जाँच रिपोर्ट की प्रति देकर सुनवाई का पूरा अवसर दिया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए गए जवाब संतोषप्रद नहीं पाए गए। इसके अतिरिक्त एसओजी की जांच रिपोर्ट में विश्वविद्यालय द्वारा की गई गंभीर अनियमितताओं को दृष्टिगत रखते हुये छात्र हित में राज्य सरकार ने ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चुरू के समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश परतत्काल प्रभाव से रोक लगाई है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए गए जवाब में परीक्षणोपरांत पाया गया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय के चेयरमैन, प्रेसिडेंट, रजिस्ट्रार आदि के पदों पर कार्यरत व्यक्तियों का कार्यकाल बढ़ाने संबंधी दस्तावेज संलग्न नहीं होने, विश्वविद्यालय में नियुक्त प्रो वाईस चांसलर, रिसर्च डायरेक्टर, सहायक / सह-आचार्य के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों के नियुक्ति पत्रों परअधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर नहीं होने, डी फार्मा कोर्स के संबंध में 2021-22 के बाद की स्थिति का स्पष्ट विवरण नहीं होने, विश्वविद्यालय के स्टेट्यूस एवं ऑर्डिनेंस के अनुमोदन की स्थिति स्पष्ट नहीं करने, बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली से वर्ष सत्र 2022-2023 के बाद विधि पाठ्यक्रमों में बीसीआई से जारी की गई मान्यता से संबंधित कोई दस्तावेज संलग्न नहीं होने, वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखे पर अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर नहीं थे।

बर्ड स्ट्राइक: एयर इंडिया की चेन्नई-कोलंबो फ्लाइट सुरक्षित लैंडिंग के बाद रद्द

24 न्यूज अपडेट



चेन्नई, 7 अक्टूबर। एअर इंडिया की चेन्नई-कोलंबो फ्लाइट मंगलवार को इंजन से पक्षी टकराने (बर्ड हिट) की घटना के कारण खतरे में पड़ गई। विमान जब चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने वाला था, तभी इंजन से आवाज आने लगी। पायलट ने तत्काल सुरक्षा के मद्देनजर फ्लाइट को सुरक्षित रूप से चेन्नई एयरपोर्ट पर उतारा। घटना के समय विमान में 158 यात्री सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयरलाइन ने चेन्नई से कोलंबो जाने वाली वापसी उड़ान फिलहाल रद्द कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से विमान को ग्राउंड कर दिया गया है और इसे आगे उड़ान भरने की अनुमति नहीं है। एयरलाइन ने 137 यात्रियों के लिए दूसरी फ्लाइट की व्यवस्था की, जो बाद में कोलंबो रवाना हुई। विमान में हुए नुकसान का आकलन एअर इंडिया की टेक्निकल टीम कर रही है। साथ ही एयरपोर्ट अथॉरिटी और DGCA की टीम भी घटना की रिपोर्ट तैयार कर रही है।

बर्ड हिट क्या है?

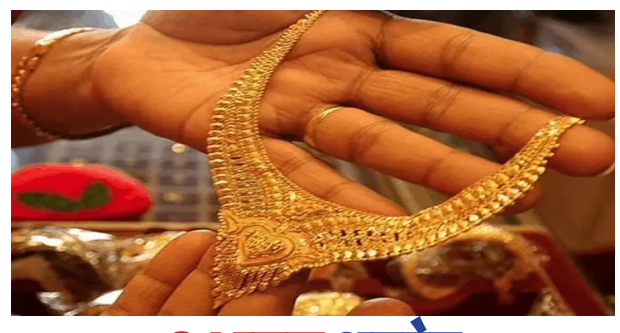
एविएशन में 'बर्ड हिट' तब होता है जब कोई पक्षी उड़ते या उतरते विमान से टकरा जाता है। अक्सर यह एयरपोर्ट के आसपास खुले कचरे या पेड़ों के कारण होता है। ऐसी टक्करों से विमान के इंजन और नोज को नुकसान पहुँच सकता है।

पिछली घटनाओं का संदर्भ

4 सितंबर: विजयवाड़ा से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस IX2011 फ्लाइट के टेकऑफ़ के दौरान एक पक्षी से विमान का नोज क्षतिग्रस्त हुआ।

2 सितंबर: नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो 6E812 फ्लाइट में भी पक्षी टकराया, जिससे विमान को नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। उस समय विमान में 272 यात्री सवार थे।

10 ग्राम सोना 1.20 लाख पर पहुंचा, 692 महंगा हुआ:अगले साल तक ये 1.55 लाख तक जा सकता है, चांदी 1.49 लाख किलो हुई

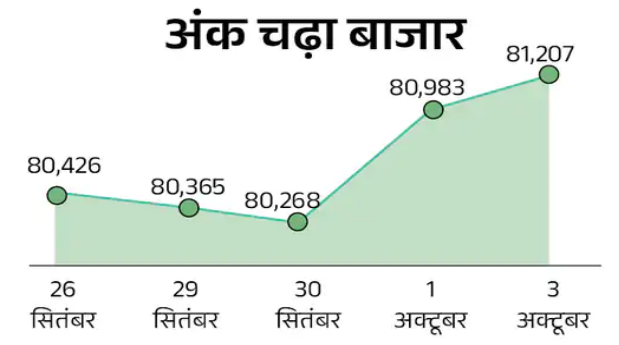


24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम आज यानी 7 अक्टूबर को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 692 रुपए बढ़कर 1,19,941 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले ये 1,19,249 रुपए पर था।

वहीं, चांदी 608 रुपए महंगी होकर 1,49,441 रुपए पर पहुंच गई। कल यानी सोमवार को ये 1,48,833 रुपए पर थी।

बाजार में आज 500 अंक से ज्यादा का उतार-चढ़ाव रहा:सेंसेक्स 137 अंक चढ़कर 81,927 पर बंद; ऑटो और रियल्टी सेक्टर में ज्यादा खरीदारी



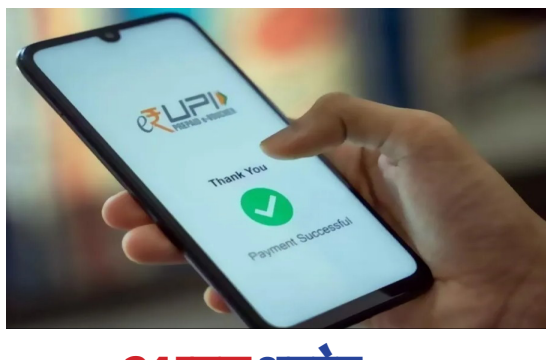
24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार, 7 अक्टूबर को सेंसेक्स 137 अंक चढ़कर 81,927 पर बंद हुआ। निफ्टी में 31 अंक की बढ़त रही, ये 25,108 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि दिनभर के कारोबार में इसमें 522 अंक का उतार-चढ़ाव रहा।

सेंसेक्स के 30 में से 15 शेयरों में तेजी देखने को मिली। एयरटेल, HCL टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड में 1.5% तक की तेजी रही। वहीं, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इंफोसिस, SBI और HUL में 2% तक गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 22 शेयरों में तेजी और 27 में गिरावट रही। NSE के ऑटो, फार्मा, रियल्टी और हेल्थकेयर सेक्टर में बढ़त देखने को मिली। वहीं, FMCG, IT, मीडिया, मेटल और प्राइवेट बैंकिंग शेयर्स गिरकर बंद हुए।

UPI पेमेंट अब फेस और फिंगरप्रिंट से संभव, NPCI ने केंद्र से मंजूरी ली



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। UPI यूजर्स अब फिंगरप्रिंट और फेस ID के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। UPI ऑपरेट करने वाली एजेंसी NPCI के नए बायोमेट्रिक फीचर्स को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। इससे UPI पेमेंट और सुरक्षित, आसान और यूजर-फ्रेंडली बन जाएगा। नई सुविधा में UPI PIN डालना ऑप्शनल होगा। नए यूजर्स या PIN भूल जाने पर फिंगरप्रिंट से PIN सेट या रीसेट किया जा सकेगा। ATM से कैश निकालने में भी बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन का विकल्प होगा, जिससे कार्ड ले जाने या PIN याद रखने की जरूरत नहीं रहेगी।

कैसे काम करेगा: यूजर पेमेंट करते समय फोन में PIN डालने के साथ फिंगरप्रिंट या फेस ID स्कैन का विकल्प पाएगा। बायोमेट्रिक डेटा सीधे आधार सिस्टम से क्रॉस-चेक किया जाएगा, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित होगी। बायोमेट्रिक पेमेंट PIN की तुलना में फ्रॉड से अधिक सुरक्षित है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ सकता है। NPCI इस फीचर को 8 अक्टूबर को मुंबई में चल रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में पेश कर सकता है। शुरुआत में Google Pay, PhonePe, Paytm जैसे बड़े UPI ऐप्स में यह फीचर उपलब्ध होगा।

संपादकीय : जानलेवा दवा

किसी बीमारी में दवा जीवनदायिनी हो सकती है। ऐसे में मरीज की जान बचाने के लिए उसके परिजन दवा का बंदोबस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। मगर जब कोई दवा ही मौत का कारण बन जाए, तो इसे लापरवाही या जान से खिलवाड़ नहीं तो और क्या कहा जाएगा ! मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ है, जहां खांसी की दवा से कई बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इन मामलों की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया गया है। इसके अलावा, एक चिकित्सक को गिरफ्तार और कुछ अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। साथ ही इस दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और संबंधित कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सवाल यह है कि ऐसी कार्रवाई के लिए अक्सर किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों किया जाता है? दवाओं की गुणवत्ता जांच नियमित तौर पर क्यों नहीं की जाती और जो दवाएं बच्चों के लिए प्रतिबंधित हैं, वे बाजार में बिना रोक-टोक कैसे बिक रही हैं ? यह कोई पहली बार नहीं है कि देश में किसी दवा की वजह से कई जानें चली गईं। इससे पूर्व भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। विडंबना यह है कि न तो सरकार एवं प्रशासन और न ही स्वास्थ्य संस्थानों एवं वहां कार्यरत अधिकारियों के स्तर पर ऐसी घटनाओं से कोई सबक लिया जाता है। मध्य प्रदेश में जिस चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है, उस पर आरोप है कि वह सरकारी सेवा में होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक में भी अपनी सेवाएं दे रहा था और बच्चों के लिए इस दवा के इस्तेमाल का परामर्श देता था। सवाल है कि आरोपी चिकित्सक के सरकारी सेवा के साथ निजी क्लीनिक में काम करने पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया? दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है किस दवा के विभिन्न आयु वर्ग के मरीज पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं, इसकी जानकारी क्या चिकित्सकों को नहीं दी जाती है? या फिर चिकित्सक और दवा कंपनियों के बीच सांठगांठ से इस तरह का गोरखधंधा फल-फूल रहा है ? सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए । खबरों के मुताबिक, मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखकर वहां स्थित संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक विभाग ने अपनी जांच में इस दवा के निर्माण में मिलावट होने की पुष्टि की थी। जांच रपट में कहा गया कि इसमें 48.6 फीसद 'डायथिलीन ग्लाइकाल' पाया गया, जो जहरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है। सवाल है कि इस तरह की खतरनाक दवा को बाजार में बिक्री की अनुमति कैसे दे दी गई? क्या किसी दवा के बाजार में आने से पहले किया जाने वाला नमूना परीक्षण ही काफी है ? अगर बाद में उस दवा के निर्माण में गुणवत्ता मानकों को दरकिनार किया जाता है और उसके सेवन से किसी की जान चली जाती है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? कायदे से बाजार में उपलब्ध दवाओं की 'को लेकर समय-समय पर जांच होनी चाहिए और गड़बड़ी मिलने पर जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की जान से खिलवाड़ न हो। इस बात के लिए भी जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है कि कोई बीमारी होने पर आम लोग चिकित्सकों की सलाह से ही दवा लें। साथ ही गरीब और वंचित तबकों की भी अच्छी चिकित्सा प्रणाली तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना सरकार का प्राथमिक दायित्व है।

मौसम का मिजाज

आमतौर पर माना जाता है कि सितंबर की शुरुआत के बाद मानसून भारत से वापसी की राह पकड़ लेगा। मगर इस वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में एक बार फिर बारिश का कहर जिस रूप में सामने आ रहा है, उससे साफ है कि मौसम का मिजाज अब परंपरागत अनुमानों के मुताबिक नहीं रहा है। बल्कि इस वर्ष देश के कई राज्यों में जिस पैमाने पर बारिश हो रही है, वह पर्यावरणविदों के लिए भी हैरानी का कारण है। बारिश की प्रकृति में असामान्य रूप से तेज बदलाव और इससे होने वाले जानमाल के नुकसान ने बहुत सारे लोगों का ध्यान खींचा है। पिछले कुछ समय से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड से लेकर पंजाब और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी बरसात ने अपना जैसा रंग दिखाया, वह अप्रत्याशित है। इसी क्रम में रविवार को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में बारिश ने जैसी तबाही मचाई है, वह डराने वाली है। लगातार बरसात की वजह से दार्जिलिंग में कई जगहों पर भयावह भूस्खलन हुआ, जमीन धंस गई। इसमें बीस से ज्यादा लोगों की जान चली गई। बीते दो-तीन दिनों में बिहार, बंगाल में भी बरसात के कारण बहुस्तरीय संकट पैदा हुआ है। इसके अलावा, नेपाल में भी बरसात, बाढ़ और भूस्खलन के कहर में पचास से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कई लोग अपने घरों में रहने से भी डरने लगे हैं। खासतौर पर हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष बादल फटने की जितनी घटनाएं सामने आई, वैसा अब से पहले कभी नहीं देखा गया था। लोगों की नजर में यह अप्रत्याशित और चौंकाने वाला था। देश के अन्य जिन इलाकों में धान और अन्य खरीफ फसलें कटाई के चरण में हैं, वहां बारिश से हुई क्षति के बहुस्तरीय प्रभाव सामने आएंगे। इस उथल-पुथल को बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दाब क्षेत्र बनने और उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ का नतीजा भी बताया गया है। मगर तेज रफ्तार से आते बदलाव और उथल-पुथल के संकेत बेहद खतरनाक दिख रहे हैं। संभव है कि मौसम की गति को रोका नहीं जा सकता, लेकिन बचाव के इंतजाम करके इससे होने वाले नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

फर्जी एजुकेशन संस्था ने बेरोजगार युवाओं से लाखों की ठगी की, वेलफेयर संस्था के नाम पर 180 युवाओं से वसूले पैसे, नौकरी का झांसा देकर गायब हुई टीम



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 7 अक्टूबर। जिले के दानपुर थाना क्षेत्र में एक बड़े शिक्षा घोटाले का खुलासा हुआ है। यहां स्वामी विवेकानंद एजुकेशन एंड वेलफेयर संस्था नामक एक फर्जी संगठन द्वारा लगभग 180 बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवाओं ने सोमवार को सामूहिक रूप से दानपुर थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

शिक्षक और एरिया मैनेजर के पद का झांसा

शिकायत के अनुसार, संस्था के एजेंट कालाखेता निवासी केसर व उसके पति नारायण तथा लता चौहान ने युवाओं को "शिक्षक सहायक" और "एरिया मैनेजर" के पदों पर नियुक्ति का झांसा दिया। बताया गया कि चयनित उम्मीदवारों को गांव-ढाणियों में बच्चों को पढ़ाने और पोषाहार वितरण का कार्य सौंपा जाएगा। युवाओं से शिक्षक सहायक पद के लिए 7,000 से 10,000 और एरिया मैनेजर पद के लिए 30,000 से 35,000 तक वसूले गए। इसके बदले उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र भी जारी कर दिए गए।

दो-तीन महीने तक कराया काम, फिर नहीं दी सैलरी

कई युवाओं को 2 से 3 महीने तक कार्य भी करवाया गया, लेकिन किसी को वेतन नहीं मिला। जब युवाओं ने भुगतान मांगा, तो संस्था के एजेंट गायब हो गए या बहाने बनाने लगे। बाद में जांच में सामने आया कि संस्था का कोई सरकारी पंजीकरण या मान्यता नहीं है।

पैसे मांगने पर मिली धमकी

छोटी सरवन क्षेत्र की पूजा निनामा ने बताया कि उसने एरिया मैनेजर पद के लिए 32,000 दिए थे। तीन महीने काम करवाने के बाद तनख्वाह नहीं दी गई। जब युवाओं ने अपनी राशि मांगी तो एजेंट केसर और नारायण ने धमकी दी — "जहां शिकायत करनी है करो, जेल भेज दो, जेल से आकर देख लेंगे।"

पुलिस जांच शुरू, ठगों पर शिकंजा कसने की तैयारी

दानपुर थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि "रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

संस्था का पक्ष

"कुछ लोगों को उनका भुगतान कर दिया गया है, बाकी को जल्द सैलरी दी जाएगी।" वहीं लता चौहान ने कहा कि संस्था ने केवल 5,000 बतौर "एंट्री फीस" ली थी, उससे अधिक राशि स्थानीय एजेंटों ने वसूली। संस्था के कॉर्डिनेटर दीपक कुमार ने कहा कि "बांसवाड़ा जिले में 843 लोग संस्था से जुड़े हैं और सबको समय पर सैलरी दी जा रही है। छोटी सरवन से आई शिकायत उधारी का मामला है।"

छात्र नेता आनंद निनामा और सामाजिक कार्यकर्ता प्रभुलाल कटारा ने कहा कि ऐसे फर्जी संस्थान क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं और बेरोजगार युवाओं को झूठे वादों से ठग रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। पीड़ितों में देवीलाल, सीमा खराड़ी, राजू कुमारी, आशा निनामा, पप्पू सिंह मईडा, मुकेश, विकास मईडा, सविता कुमारी, जयंतीलाल, वीरचंद, पवन रावत, लतेश मईडा सहित कई अन्य शामिल हैं।

1.25 करोड़ रुपए मूल्य की अफीम डोडा चूरा और इनोवा क्रिस्टा कार जब्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 07 अक्टूबर 2025। उदयपुर जिले के थाना गोगुन्दा क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ एक महीने में दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1.25 करोड़ रुपए मूल्य की अफीम डोडा चूरा जब्त की है। इस कार्रवाई में ईनोवा क्रिस्टा कार RJ-14-UE-8319 भी पुलिस के कब्जे में आई। कार्रवाई का पूरा विवरण जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल स्वरूप मेवाडा और वृताधिकारी श्री सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने 06 अक्टूबर 2025 को ईसवाल-कुम्भलगढ़ रोड पर अमरचंदिया तालाब के पास नाकाबंदी शुरू की। इसी दौरान लोसिंग की तरफ से दो ईनोवा कारें तेज गति से आती दिखाई दीं। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए हाथ से इशारा किया, लेकिन दोनों कारें रुकने का नाम नहीं ले रही थीं।

पुलिस और बदमाशों के बीच ड्रामा आगे खड़े कांस्टेबल योगेन्द्र सैन ने टायर ब्रेकर स्टिक का प्रयोग किया। इससे दूसरी ईनोवा क्रिस्टा कार (RJ-14-UE-8319) के टायर फट गए, लेकिन चालक कार को नहीं रोका और हाईवे पर कुम्भलगढ़ की ओर भाग गया। पुलिस ने पीछा किया। टायर फटे वाहन के खलासी ने पुलिस वाहन पर 7-8 राउंड फायर किया, जिसके जवाब में पुलिस ने कार के टायर पर फायर किया। दोनों कारों में से एक कार नजरों से ओझल हो गई, जबकि ईनोवा क्रिस्टा कार का पीछा करते हुए कठार गांव के पास दोनो तरफ से घेराबंदी की गई। कार चालक और उसका साथी जंगल की अंधेरी जगह का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। जब्त की गई अफीम और कार कार की तलाशी लेने पर 25 प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए, जिनमें कुल 496.89 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा भरा हुआ था। इसकी बाजार कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपए बताई जा रही है। कार के अंदर गुजरात और राजस्थान की अलग-अलग नंबर प्लेटें भी मिलीं। अफीम और कार को जब्त कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

उदयपुर की बॉक्सर परी मोदी ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीता रजत पदक



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। 69वीं राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उदयपुर की उभरती हुई बॉक्सर परी मोदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। परी मोदी ने अपने कोच वर्धमान सिंह नरूका के मार्गदर्शन में वॉरियर बॉक्सिंग अकादमी, उदयपुर से प्रशिक्षण प्राप्त कर यह उपलब्धि अर्जित की। कोच सरदार सिंह ने बताया कि परी मोदी ने प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए जोधपुर, जयपुर, श्रीगंगानगर और पाली जिलों की प्रतिभागियों को एकतरफा मुकाबलों में पराजित किया। फाइनल तक के अपने दमदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल रजत पदक जीता बल्कि उदयपुर जिले का नाम भी राज्यस्तर पर गौरवान्वित किया। परी मोदी की इस उपलब्धि पर अकादमी के प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने उन्हें बधाई दी है तथा उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में वह राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का मान बढ़ाएंगी।

स्मार्ट मीटर लगाने और बिजली के निजीकरण का विरोध



24 न्यूज अपडेट

माकपा और एमसीपीआई (यू) ने किया एवीवीएनएल कार्यालय पर प्रदर्शन, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

उदयपुर, 7 अक्टूबर। शहर में स्मार्ट मीटर लगाने, बिजली के बढ़ते स्थायी शुल्क, और बिजली सेवाओं के निजीकरण के खिलाफ सोमवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (यूनाइटेड) की ओर से सविना स्थित अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर योजना उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ डाल रही है। इस योजना के तहत बिना पूर्व सहमति के लगाए गए स्मार्ट मीटरों से बिजली बिल कई गुना बढ़ गए हैं, जिससे आम जनता परेशान है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि लगाए गए स्मार्ट मीटरों को तुरंत हटाकर पुराने मीटर पुनः लगाए जाएं और स्मार्ट मीटर योजना को स्थायी रूप से बंद किया जाए। माकपा शहर सचिव हीरालाल सालवी ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। मीटर गलत रीडिंग दे रहे हैं और कई बार बिलों में त्रुटियां सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को बिजली के बड़े स्थाई शुल्क को खत्म कर बिजली दरों को सस्ता करना चाहिए। साथ ही बार-बार होने वाली बिजली कटौती और अवैध वसूली पर भी रोक लगाई जाए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार बिजली आपूर्ति व्यवस्था का निजीकरण बंद करे। उनका कहना है कि बिजली वितरण कंपनियों में निजीकरण से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ेगी और कर्मचारियों की सुरक्षा व नौकरी पर भी खतरा पैदा होगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि विभाग में रिक्त पदों को तुरंत भरा जाए ताकि सेवा व्यवस्था में सुधार हो सके। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एवीवीएनएल के सहायक अभियंता को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें इन सभी मांगों को शामिल किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार जनहित में स्मार्ट मीटर योजना को निरस्त करे, बिजली बिलों की त्रुटियों को सुधारने की पारदर्शी व्यवस्था बनाए, और उपभोक्ताओं से जबरन वसूली पर रोक लगाए। प्रदर्शन में माकपा राज्य कमेटी सदस्य विमल भगोरा, माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी, माकपा पार्षद राजेंद्र वसीटा, माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य गुमान सिंह राव, माछला मंगरा शाखा सचिव अमजद शेख, स्ट्रीट वेंडर शाखा सचिव मोहम्मद शाहिद, ठेला व्यवसायी मजदूर यूनियन अध्यक्ष मोहम्मद निजाम, एमसीपीआई (यू) जिला सचिव रामचंद्र शर्मा, और कच्ची बस्ती फेडरेशन सचिव रघुनाथ सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाकर सरकार से मांग की कि जनता पर लादी जा रही बिजली संबंधी नीतियों की समीक्षा की जाए और उपभोक्ता हित में निर्णय लिया जाए। माकपा नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन माकपा शहर सचिव हीरालाल सालवी ने किया और प्रदर्शन शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ।

आओ मंदिर चले न्यास" ने जिला प्रशासन से किया मूर्ति विसर्जन सुचारु कराने का अनुरोध



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। शहर में गणपति और नवरात्रि महोत्सव के दौरान स्थापित धार्मिक मूर्तियों के ससम्मान विसर्जन के लिए "आओ मंदिर चले न्यास" ने जिला प्रशासन से उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। न्यास ने जिला कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि हाल ही में हुए उत्सवों के दौरान मूर्तियों के विसर्जन में व्यवस्थित प्रबंध न होने के कारण श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ा। गंदे जलकुंडों के कारण कई मूर्तियाँ समय पर विसर्जित नहीं हो सकीं। इसके बाद नगर निगम ने उन्हें अस्थायी रूप से मादड़ी फायर स्टेशन परिसर में रखा, जहाँ उनकी स्थिति दयनीय है। न्यास ने इस स्थिति को धार्मिक आस्था को आहत करने वाला बताते हुए भविष्य में स्वच्छ और व्यवस्थित विसर्जन कुंडों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।



हरियाणा के सीनियर IPS वाई पूरन कुमार ने की खुदकुशी, PSO की पिस्टल से खुद को मारी गोली





24 न्यूज अपडेट

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर। हरियाणा के सीनियर IPS अफसर वाई पूरन कुमार (2001 बैच) ने मंगलवार को आत्महत्या कर ली। उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपनी सरकारी कोठी में खुद को गोली मार ली। शुरुआती जांच के अनुसार, उन्होंने अपने निजी सुरक्षा अधिकारी (PSO) की सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारी। घटना की सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारी

चंडीगढ़ की SSP कंवरदीप कौर ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद बताया, "वाई पूरन कुमार ने खुदकुशी की है। फिलहाल इससे अधिक कुछ कहना उचित नहीं होगा। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।" पुलिस टीम ने मौके से पिस्टल बरामद की है और घटनास्थल का फॉरेंसिक निरीक्षण कराया जा रहा है।

29 सितंबर को हुई थी नई पोस्टिंग

आईपीएस वाई पूरन कुमार की हाल ही में रोहतक के सुनारिया स्थित पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (PTC) में आईजी के पद पर नियुक्ति हुई थी। यह पोस्टिंग 29 सितंबर को की गई थी। बताया जा रहा है कि वे 7 अक्टूबर तक अवकाश पर थे, हालांकि उनकी छुट्टी की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

पत्नी अमनीत पी. कुमार जापान में सरकारी दौरे पर पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार, हरियाणा कैडर की सीनियर IAS अफसर हैं। वह इस समय हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में जापान गए राज्य सरकार के उच्च स्तरीय डेलीगेशन का हिस्सा हैं। यह डेलीगेशन 8 अक्टूबर की शाम को भारत लौटने वाला है।

9 पेज का सुसाइड नोट मिला

चंडीगढ़ पुलिस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मौके से 9 पेज का एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें हरियाणा के एक पुलिस अधिकारी का नाम है। इस बीच यह जानकारी भी सामने आई है कि 2 दिन पहले रोहतक के अर्बन एस्टेट थाने में रोहतक रेंज के तत्कालीन आईजी वाई पूरन कुमार के रीडर के खिलाफ एक FIR दर्ज की गई। ये FIR भ्रष्टाचार से जुड़े एक केस से संबंधित बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, वाई पूरन कुमार को शक था कि इस मामले में उन्हें फंसाया जा सकता है। चंडीगढ़ पुलिस इन दोनों एंगल की जांच कर रही है।

उदयपुर में रात 8 बजे बाद शराब बेचते 4 गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने हेतु जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के साथ ही आबकारी नियमों के अनुरूप शराब की दुकानों पर रात्रि 8 बजे बाद शराब विक्रय करने पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। उदयपुर शहर के सूरजपोल एवं चांदपोल क्षेत्र में सोमवार को रात्रि 8 बजे बाद शराब विक्रय करने पर संबंधित शराब दुकानों के 4 सेल्समेन को गिरफ्तार कर नियमानुसार अभियोग दर्ज किया गया। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन उदयपुर ओपी जैन के अनुसार प्रदेश में रात्रि 8 बजे बाद मदिरा विक्रय की रोकथाम के लिए जारी अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी आदराम दहिया के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक शकुंतला जैन द्वारा गश्त व चैंकंग के दौरान उदयपुर शहर के सूरजपोल व चांदपोल क्षेत्र से 2 शराब की दुकानों पर रात्रि 8 बजे बाद शराब विक्रय करने पर अभियोग दर्ज किया गया। कार्यवाही के तहत 4 सेल्समेन क्रमशः प्रहलाद कलाल, लालचंद सुहालका, लक्ष्मण मीणा एवं विकास तेली को रात्रि 8 बजे बाद शराब विक्रय करने पर गिरफ्तार कर अभियोग दर्ज किया गया। इसी क्रम में उदयपुर जोन के विभिन्न जिलों में सघन अभियान चलाते हुए रात्रि 8 बजे बाद शराब विक्रय कर नियमों की अवहेलना करने वाले अनुज्ञाधारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही हेतु संबंधित जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

भारतीय पावरलिफ्टिंग टीम हांगकांग रवाना, एशियन बेंच प्रेस चैंपियनशिप में करेगी भागीदारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। भारतीय पावरलिफ्टिंग टीम आज दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से कैथे पैसिफिक एयरवेज के माध्यम से हांगकांग के लिए रवाना हुई। हांगकांग के क्वीन एलिजाबेथ स्टेडियम में 8 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली एशियन सीनियर, जूनियर, सब-जूनियर और मास्टर पुरुष एवं महिला, इक्विप्ड एवं क्लासिक बेंच प्रेस प्रतियोगिता में भारतीय टीम भाग लेगी। टीम के कोच विनोद साहू ने बताया कि कुल 25 सदस्यीय भारतीय दल में अनुभवी खिलाड़ी भास्कर शाह, तनिष्क गर्ग, आनंद स्वरूप मंडीया, दीपक कुमार शर्मा, यज्ञना प्रसाद, इंद्रजीत सिंह साबरवाल, ऋषभ पाल, रामू धुलीपाला, रोबिन श्रीवास्तव, अर्जुन वत्स, लीमा चानू और नेमी चानू शामिल हैं। राजस्थान के अलवर जिले के दीपक कुमार शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। कोच विनोद साहू ने आशा व्यक्त की कि टीम इंडिया एशियन बेंच प्रेस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करेगी और अधिकांश खिलाड़ी पदक जीतेंगे। टीम को पावरलिफ्टिंग इंडिया के अध्यक्ष सतीश कुमार कुदरोली और महासचिव अर्जुन अवार्डी पी. जे. जोसफ ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

आवारा कुत्ते पकड़ने गई निगम टीम से भिड़े डॉग लवर्स, गाड़ी का ताला तोड़ छुड़ाए तीन कुत्ते



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर, 7 अक्टूबर। शहर के उदय मंदिर क्षेत्र में सोमवार को आवारा कुत्ते पकड़ने गई नगर निगम की टीम और डॉग लवर्स के बीच तीखी झड़प हो गई। स्थिति तब बिगड़ी जब डॉग लवर्स ने निगम टीम की गाड़ी का ताला पत्थर से तोड़ दिया और पकड़े गए तीन कुत्तों को छुड़ा लिया। हंगामे के चलते निगम टीम को बिना कार्रवाई किए ही बैरंग लौटना पड़ा।

कॉलोनीवासियों की शिकायत पर पहुंची थी टीम

जानकारी के अनुसार, उदय मंदिर क्षेत्र में कॉलोनीवासियों ने आवारा कुत्तों के काटने और बढ़ती संख्या की शिकायत नगर निगम में की थी। शिकायत के बाद निगम की पशु पकड़ने वाली टीम मौके पर पहुंची और तीन आवारा कुत्तों को पकड़कर गाड़ी में बंद कर लिया।

कुत्ते छुड़ाने पहुंचे डॉग लवर्स ने किया हंगामा

टीम की कार्रवाई की खबर फैलते ही कुछ डॉग लवर्स मौके पर पहुंच गए और निगम की कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कुत्तों को पकड़ने को "क्रूरता" बताया और मौके पर ही हंगामा करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद बढ़ने पर डॉग लवर्स ने पत्थर से निगम वाहन का ताला तोड़ दिया और उसमें बंद कुत्तों को बाहर निकाल लिया। विवाद बढ़ता देख निगम टीम ने आगे कार्रवाई न करते हुए वापस लौटना ही उचित समझा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और धक्का-मुक्की की स्थिति भी बन गई। घटनास्थल पर तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गई। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि टीम केवल स्थानीय निवासियों की शिकायत पर गई थी, जबकि डॉग लवर्स का तर्क है कि निगम को पहले उनके साथ समन्वय कर "स्ट्रे डॉग रेस्क्यू प्रोटोकॉल" के तहत कार्रवाई करनी चाहिए थी।

राजस्थान सरकार में बेरोजगार युवा मित्रों को अटल प्रेरक भर्ती में प्राथमिकता देने की अनुशंसा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 07 अक्टूबर 2025। राजस्थान सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इंटर्नशिप पूर्ण कर चुके बेरोजगार युवा मित्रों को अटल प्रेरक भर्ती में प्राथमिकता देने और रोजगार उपलब्ध कराने की अनुशंसा की है। मंत्री श्री चौधरी ने पत्र में बताया कि वर्ष 2022-23 में राजीव गांधी युवा मित्रों की नियुक्ति की गई थी, जिन्होंने प्रदेश भर में सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान में ये युवा बेरोजगार हैं और उनकी सेवाओं का पुनः उपयोग राज्य हित में होगा। मंत्री ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि प्रशिक्षण और अनुभव प्राप्त युवा मित्रों को नई योजनाओं में प्राथमिकता देते हुए रोजगार प्रदान किया जाए। इस पहल पर युवा मित्र संघर्ष समिति राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय मीणा ने कहा, "कन्हैयालाल चौधरी का यह कदम हजारों युवा मित्रों की उम्मीदों को नया जीवन देने वाला है। हमें विश्वास है कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा शीघ्र ही इस पर सकारात्मक निर्णय लेकर बेरोजगार युवा मित्रों को न्याय देंगे।" श्री मीणा ने आगे कहा कि संघर्ष समिति लंबे समय से यह मांग कर रही थी कि प्रशिक्षित और अनुभवी युवा मित्रों को राज्य सरकार की नई योजनाओं में प्राथमिकता मिले। मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री को लिखा गया यह पत्र युवा मित्रों के संघर्ष को नई दिशा देगा।

जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. बलराज सिंह निलंबित, गंभीर अनियमितताओं और नियम उल्लंघन के आरोपों पर जांच समिति गठित



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 7 अक्टूबर। विवादों में घिरे कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलगुरु डॉ. बलराज सिंह को पद से हटा दिया गया है। राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। राजभवन से मिली जानकारी के अनुसार, राज्यपाल को वीसी के खिलाफ विभिन्न स्तरों पर गंभीर गड़बड़ियों, प्रशासनिक अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों की प्रारंभिक समीक्षा के बाद राज्यपाल ने कार्रवाई करते हुए जांच समिति गठित की है, जो मामले की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करेगी।

नीतिगत फैसलों और अधिकारों के दुरुपयोग के आरोप

सूत्रों के अनुसार, डॉ. बलराज सिंह का कार्यकाल समाप्ति के करीब था। विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार, किसी भी कुलगुरु को कार्यकाल के अंतिम तीन महीनों में नीतिगत निर्णय लेने की अनुमति नहीं होती, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कई अहम नीतिगत फैसले लिए। राजभवन से जारी बयान में कहा गया है कि वीसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया, मनमाने तबादले किए और कई निर्णय विश्वविद्यालय अधिनियम के विपरीत लिए।

पूर्व में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु रह चुके हैं

डॉ. बलराज सिंह इससे पहले जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु रह चुके हैं। इसके बाद कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में उन्हें जोबनेर स्थित कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय का कुलगुरु नियुक्त किया गया था।

प्रलोभन और भय से धर्म परिवर्तन कराने वाले 5 आरोपी अलवर में गिरफ्तार

मुरादाबाद और जयपुर तक जुड़े आरोपियों के तार, धार्मिक सामग्री ज़ब्त



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 07 अक्टूबर। अलवर जिला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गरीब हिंदू महिलाओं और पुरुषों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन और भय दिखाने के आरोप में पाँच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इन आरोपियों पर अवैध धर्मान्तरण कराने का आरोप है।

एसपी चौधरी ने बताया कि पुलिस को नैनापुर गांव के एक परिवादी से रिपोर्ट मिली थी कि यहाँ हिन्दू धर्म के लोगों को अवैध रूप से धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका और वृताधिकारी लक्ष्मणगढ कैलाश जिन्दल के निकटतम सुपरविजन में बडौदामेव की टीम गठित की गई।

थानाधिकारी बड़ौदामेव मय जाप्ता के घटनास्थल पर पहुँचे और जाँच शुरू की। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा हिन्दू धर्म के विरुद्ध गलत बातें सिखाई जा रही थीं। गवाहों के बयानात, जब्त की गई पेन ड्राइव और धर्म प्रचार-प्रसार सामग्री के आधार पर जुर्म प्रमाणित पाया गया। पुलिस ने प्रारंभिक साक्ष्यों के आधार पर थाना बडौदामेव में प्रकरण पंजीबद्ध किया।

एसपी चौधरी ने बताया कि इस आधार पर पाँच व्यक्तियों को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए पाँच आरोपियों के तार अलवर, मुरादाबाद उत्तरप्रदेश और जयपुर तक से जुड़े हुए हैं। आरोपी प्रशान्त जाटव (25) बहाला थाना एमआईए अलवर, रामनारायण बैरवा (48) व महेश मेघवाल (24) मालाखेडा अलवर, केशव वैदादा (39) जगतपुरा जयपुर और रोहित जाटव (25) पेगम्बरपुर थाना कांठ मुरादाबाद उत्तरप्रदेश के रहने वाले है।

फिलहाल पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों और इसके पीछे की फंडिंग या संगठन की जाँच कर रही है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

बिनोता ग्राम पंचायत के भागल द्वितीय गांव में संचालित सरकारी आंगनवाड़ी केंद्र के भवन की छत का प्लास्टर



24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। बिनोता ग्राम पंचायत के भागल द्वितीय गांव में संचालित सरकारी आंगनवाड़ी केंद्र के भवन की छत का प्लास्टर गिरने से तीन वर्षीय बच्ची गुड़िया भील मामूली रूप से घायल हो गई। घटना मंगलवार को लगभग 11 बजे हुई, जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मैना भील बच्चों के साथ केंद्र में बैठी थी। छत का प्लास्टर अचानक गिर गया, जिसमें गुड़िया भील चोटिल हुई। आंगनवाड़ी और विद्यालय के शिक्षक सुरेश वैष्णव तथा ग्रामवासी बालिका को तुरंत बाइक पर लेकर बिनोता सीएचसी पहुंचे। वहाँ चिकित्सा प्रभारी दिनेश कुमार मेघवाल और डॉक्टर ओमप्रकाश धाकड़ ने बालिका का उपचार किया। बालिका के चोटिल होने की सूचना मिलने पर निंबाहेडा एसडीएम विकास पंचोली ने चिकित्सकों को त्वरित उपचार के निर्देश दिए। एसडीएम के अनुसार, आंगनवाड़ी में कुल 13 बच्चे बैठे थे, जिनमें से केवल एक बच्ची को मामूली चोट लगी, बाकी बच्चे सुरक्षित रहे। उपचार के बाद बालिका को निंबाहेडा अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस घटना पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक श्री चन्द कृपलानी ने तत्काल हस्तक्षेप किया। उन्होंने अपने अन्य कार्यक्रमों को स्थगित कर भागल द्वितीय आंगनवाड़ी केंद्र और स्कूल का निरीक्षण किया। विधायक ने विकास अधिकारी को भवन की मरम्मत के निर्देश दिए और तब तक भवन में बच्चों के कक्ष को बंद रखने के आदेश शिक्षक को दिए। बालिका के घर जाकर उन्होंने उसकी कुशलक्षेम भी पूछी। निरीक्षण के दौरान पूर्व विधायक अशोक नवलखा, पूर्व भाजपा अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, पूर्व प्रधान ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोक जाट, और भाजपा महामंत्री देवकरण समदानी भी उपस्थित थे। बालिका के उपचार के दौरान विभागीय अधिकारी विजय कुमार और मधु मेडम मौजूद रहे। छुट्टी के बाद विभागीय कर्मचारी बालिका को उसके घर सुरक्षित पहुँचाने में मदद किए। ग्राम पंचायत प्रशासक ईश्वर लाल मीणा, पटवारी मनोज चौधरी और पुखराज चपलोत भी मौके पर पहुंचे। पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि प्रदेश में ऐसे जर्जर भवनों की स्थिति चिंता का विषय है। हाल ही में पिपलोदी, झालावाड़ में हुई घटना से सरकार को सबक लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ऐसे भवनों में बच्चों को बैठाना जोखिमपूर्ण है और प्रशासन को तुरंत अस्थायी या वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए।



कीचड़ में खिला-लातों घूसों का कमल, "ज्ञापन बाउंसर सेवा प्रा. लि." वाले स्टार्टप की जरूरत



24 न्यूज अपडेट

शूरवीरों की धरती पर अब पॉलिटिकल लातों-घूंसों के कमल खिलकर यहां की राजनीति को समृद्ध कर रहे हैं। कमल तो बरसें से बहुत ही शालीनता के साथ खिलते और खिलखिलाते थे। कई बार तो पूजे भी जाते थे। मगर पर इस बार बेमौसम बरसात में कीचड़ में नहीं, हाथों की मुट्ठियों कों भींचते हुए मसल पावर वाला कमल खिल गया है। एक विकास कार्यक्रम के मंच पर, जहाँ बटन दबाकर शहर में रोशनी की नई इबारत लिखी जानी थी, वहाँ पर अचानक राजनीतिक गिरावट का घना अंधेरा फैल गया। काले झंडों ने भी कहां सोचा होगा कि झंडाबरदारों को हाथ को मजबूत करने के बदले हाथ की सफाई रिटर्न गिफ्ट में मिल जाएगी। मंच पर मुस्कान, नीचे नाराज़गी और इन सबके बीच हर किसी को अपनी बात कहने की आज़ादी का प्रश्न उठा तो पूरी दाल काली हो गई। कोई किसी को धकिया रहा है आवाज आई, कोई किसी को लतिया रहा है यह शोर मचा। अरे! धकियाने वालों में पुलिस प्रोटेक्शन के होते हुए थी वे भी हाथ आजमा रहे हैं-यह हर किसी ने देख लिया। लोग बोले-जिनको जनता ने चुना, उन्होंने अपने तालाब में कमल खिलाने किसी को चुना, उसने किसी को चुन-चुन कर धुना। वाह, क्या सीन है। पॉलिटिक्स में मसल पावर का कोकटेल हो जाए तो फिर कहने ही क्या? अपनी सुरक्षा अपने हाथ। दूसरों की सुरक्षा भी हाथों-हाथ।

अब तो यही लगने लगा है कि पॉलिटिकल मसल पावर की इस नगरी में ज्ञापन बाउंसर सेवा की जरूरत है। विचार शायद किसी इक्विट वाले धन्नासेठ के दिमाग में क्लिक कर जाए और वो इस लेखक को बख्शीश में रॉयल्टी भी देने पहुंच जाए।

यहां की मसल पावर पॉलिटिक्स की पुण्य धरा पर नया स्टार्टअप जन्म ले सकता है - "ज्ञापन बाउंसर सेवा प्रा. लि." टैगलाइन होगी - "आपकी आवाज़ की सुरक्षा, हमारे कंधों पर।" मुक्के के साथ भी, मुक्के के बाद भी।।

यह सेवा उन सभी के लिए होगी
जिनको विरोध की खुजली मची है।
जो वास्तव में विरोध करना चाहते हैं।
जिनको किसी ने विरोध के लिए भेजा है।
जो विरोध की पॉलिटिक्स करके कॅरियर ग्रोथ चाहते हैं।
जो इतने मूर्ख हैं कि आ बैल मुझे मार करना चाहते हैं।
स्टार्टप को स्पांसर करने वाली कंपनी कह सकती है-

आप चाहें तो "बेसिक पैकेज" में
एक ज्ञापन धारक और दो बाउंसर मिलेंगे

एक नारे लगाते समय साथ चलेगा, दूसरा आपको किसी भी रंग का झंडा अपने पैकेज के अनुसार आर्थिक दम रहने तक बचाएगा। प्रीमियम पैकेज में मीडिया को बुलाने की सुविधा भी होगी, ताकि हर एंगल से लातों घूसों के क्लाइमैक्स की शानदार रील लायक रिकॉर्डिंग की जा सके। लेकिन खाकी को मैनेज करने, वहां पर तोड़ बट्टे करने की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होने की वारंटी का डिस्क्लेमर होगा। क्योंकि खाकी का दूसरा नाम ही खौफ है।

चाहिए लात-घूसों का आइयन डोम

स लात-घूंसा प्रूफ आयरन डोम में किसी भी प्रकार का ड्रोन प्रवेश नहीं कर पाएगा। सेंसर पहले से बता देंगे कि किसी तरफ से प्रहार होने वाला है। कहां पर हमला करने का मूड बन रहा है। बॉडी लेग्वेज से पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बता दिया जाएगा कि सुरक्षित दूरी कितनी रखनी है। एक भागने का शॉर्टकर्ट मार्ग भी बताया जाएगा।

लेकिन अब तक को हमारी यह धरती-संवाद, सौहार्द और समरसता की धरती कही जाती थी। विरोधी भी एक मंच पर भाषण देकर चुनाव निपटा दिया करते थे, गले में हाथ डालकर घूमा करते थे। अब घूसों वाले कमल आखिर कैसे खिल गए इस कीचड़ में? पानी गंदा हुआ या फिर नई खरपतवार ही ऐसी उग आई कि पुरानी तहजीब वाले खेत को खुद ही बाड़ की तरह से खाने लगी है???

विरोध करने वालों के बड़ा सबक है। पक्ष में हो या विपक्ष में। अपनी पॉलिटिकल ग्रुमिंग के दौरान पिटने के अभ्यास में कोई कमी नहीं आने दें। अपनी बॉडी को ही इतना रॉक स्ट्रांग बनाएं कि लातों-घूंसो को बरसाने वालों को ही पछताना पड़ जाए।

विरोध प्रदर्शन के "जोखिम भरे इस पॉलिटिकल पेशे" में जहाँ पहले ज्ञापन में माँगें होती थीं,

अब उसमें मेडिकल इंश्योरेंस जोड़ना चाहिए। जिसमें हर लात-घूसे का इंश्योरेंस हो। जितनी ज्यादा खाओ,

उतना ज्यादा क्लैम। खाकी की लीगल और इल-लीगल खाओ तो उसका भी बोनस वाला क्लेम।

वो दिन दूर नहीं जब मीडिया की सुर्खी होगी - "आज शहर में शांतिपूर्ण ज्ञापन दिया गया। सब कुछ इतना शांतिपूर्ण था कि सिर्फ दो जनों को हल्की चोटें आई और एक मोबाइल टूटा" इसे एक रिकॉर्ड बताया जा रहा है।

क्या लोकतंत्र अब संवाद से नहीं,
"मसल पावर'' से चल रहा है।
हमारा राजनीतिक संस्कार अब बहस नहीं,
बॉडी लैंग्वेज और सुरक्षा रिंग्स से तय होता है।
जितना ज्यादा गुस्सा, उतना ज्यादा नेम-फेम।
कभी इस शहर की पहचान उसकी झीलें, संगीत और संवाद थे।
अब लगता है पहचान बदल रही है
"यह शहर" धीरे-धीरे "पॉलिटिक नादानी वाले शोलों शहर" बन गया है,
जहाँ शालीनता की परिभाषा
पार्टी के झंडे के रंग के साथ बदल रही है।
लोकतंत्र नामक तुच्छ बताया जा रहा प्राणी अब भी ज़िंदा है बस उसके साथ एक बाउंसर खड़ा है,
ताकि कोई उसकी आवाज़ तक न पहुँच पाए।
आइये नए संस्कारों के नए कमल को खिलने दें। कमजोर और जर्जर हो चुके हाथ को मुट्ठियों के आगे पिटने दें।
बाकी समझदार तो सभी हैं कि शहीदो ंकी मजारों पर लगेंगे हर बरस मेले। एक रोड का नाम ही तो उनका अंतिम निशां न होगा???

उदयपुर में दो दिन में 35 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास, मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया उद्घाटन, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नई परियोजनाओं का शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के "आपणो अग्रणी राजस्थान" संकल्प के तहत उदयपुर में विकास कार्यों का नया अध्याय लिखा जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अपने दौरे के दौरान मंगलवार और बुधवार को लगभग 35 करोड़ रुपये के विकास कार्यों और परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। मंत्री खर्रा ने दक्षिण विस्तार योजना में नवनिर्मित सामुदायिक केंद्र का लोकार्पण किया, उदयपुर विकास प्राधिकरण की 1109 आवासीय भूखंडों की लॉटरी-पुस्तिका जारी की और शहरी सेवा शिविरों में लाभार्थियों को पट्टा वितरण भी किया। इसके अलावा, एनएच-8 बलीचा तिराहे से कुंडाल तक डामरीकरण, मास्टर प्लान सड़क सुधार, नाला निर्माण और आंतरिक सड़कें जैसे कई अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। मंत्री खर्रा ने कहा कि सुनियोजित शहर विकास और साफ-सफाई, रोशनी और नागरिक सहयोग से उदयपुर में पर्यटन बढ़ेगा। उन्होंने राइजिंग राजस्थान परियोजना के तहत निवेश, रोजगार और आर्थिक प्रगति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। राजस्थान में जल संकट समाधान और बिजली उत्पादन के लिए किए जा रहे बड़े प्रोजेक्टों की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि राम जल सेतु, यमुना और चंबल नदियों की योजनाएं तथा बांसवाड़ा में 2800 मेगावाट परमाणु परियोजना राज्य को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करेगी। साथ ही, कोयला ब्लॉकों से बिजली उत्पादन की नई पहल से उपभोक्ताओं को लागत में राहत मिलेगी। मंत्री खर्रा ने यह भी बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य अब 10 हजार गांवों को गरीबी मुक्त बनाना है, ताकि केंद्र और राज्य की योजनाओं के माध्यम से गरीबों की आय बढ़ाई जा सके।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, शहर विधायक ताराचंद जैन और प्राधिकरण व समाजसेवी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एमडीएस के मितांश साहू ने राज्य शतरंज में मारी बाज़ी, नेशनल के लिए किया क्वालीफाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। सीकर में आयोजित राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में एमडीएस पब्लिक स्कूल और राजस्थान के प्रतिभाशाली खिलाड़ी मितांश साहू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 7 अंक अर्जित किए और उनका परफॉर्मेंस रेटिंग 1840 रहा, जो उनकी गहन तैयारी और निरंतर अभ्यास का प्रमाण है।

विद्यालय के निदेशक डॉ. शैलेंद्र सोमाणी ने मितांश की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी और कहा, "मितांश ने अपनी मेहनत, लगन और एकाग्रता से विद्यालय और उदयपुर का नाम गौरवान्वित किया है। हमें विश्वास है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी वह शानदार प्रदर्शन करेंगे।"

इस अवसर पर चेस इन लेकसिटी के संरक्षक तुषार मेहता, राजस्थान राज्य शतरंज के उपाध्यक्ष राजेंद्र तेली, अध्यक्ष राजीव भारद्वाज, प्रशिक्षक विकास साहू और कुशाल पटेल, तथा अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे और मितांश को शुभकामनाएँ दीं।

प्रतियोगिता में मितांश ने कई जिलों और नामी विद्यालयों के शीर्ष खिलाड़ियों को हराया, जिनमें कृषणा (लोकश सीनियर सेकेंडरी स्कूल), हर्षवर्धन शर्मा (मॉडर्न स्कूल, कोटा), मधुर स्वामी (शिक्षा हाई स्कूल), आर्यन मेहता (आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल), रुशित कारोदिया (बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल) सहित कई अन्य शामिल हैं।

इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मितांश का चयन प्रतिष्ठित SGFI नेशनल शतरंज प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो देशभर के श्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच आयोजित होगी। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि मितांश की यह सफलता एमडीएस के लिए गर्व का क्षण है और इससे विद्यालय के अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को मिला 'राष्ट्रीय कृषि-नवाचार रत्न पुरस्कार-2025'



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को 'राष्ट्रीय कृषि-नवाचार रत्न पुरस्कार-2025' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भू-स्थानिक दृष्टिकोण: एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य" में प्रदान किया गया। यह संगोष्ठी संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा में आयोजित हुई, जहां विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने बताया कि डॉ. कर्नाटक को यह पुरस्कार कृषि नवाचार, अनुसंधान और सतत कृषि पद्धतियों में उनके उत्कृष्ट योगदान और अग्रणी कार्यों के लिए दिया गया है। डॉ. कर्नाटक को इससे पूर्व सर्वश्रेष्ठ कुलपति पुरस्कार (2021), डॉ. आर.एस. परोदा पुरस्कार, डॉ. एस.एल. मिश्रा पदक, सीएचएआई मानद फैलोशिप, और अमित प्रभुध मनीषी पुरस्कार सहित कई सम्मान मिल चुके हैं। उन्होंने "द मिलेट स्टोरी" नामक पुस्तक में भी योगदान दिया, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2023 में मान्यता मिली थी। उद्घाटन सत्र में डॉ. कर्नाटक ने कहा कि GIS, रिमोट सेंसिंग और GNSS जैसी भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां राष्ट्रीय व खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि एमपीयूएटी में इन तकनीकों का उपयोग फसल निगरानी, सूखा प्रबंधन और प्रिसिजन एग्रीकल्चर में प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इस मौके पर देशभर से आए शिक्षाविद, शोधकर्ता और नीति विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता: आईजी गौरव श्रीवास्तव ने किया पोस्टर विमोचन, वाहन रैली से दिया संदेश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 अक्टूबर। बाल सुरक्षा और यौन शोषण के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को पॉक्सो अधिनियम (POCSO Act) पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आईजी गौरव श्रीवास्तव ने "सुरक्षित बचपन–उज्ज्वल भविष्य–सशक्त समाज" विषय पर तैयार पोस्टर का विमोचन किया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में उदयपुर संभाग के सभी पुलिस अधीक्षक, बाल संरक्षण सलाहकार सिंधु बिनुजीत, और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। "बाल संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी" – एडिशनल एसपी मेवाड़ा इस अवसर पर एडिशनल एसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने कहा कि सशक्त समाज के निर्माण के लिए बच्चों का उचित संरक्षण हम सभी की सामूहिक और नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लैंगिक अपराधों से बालकों को संरक्षण देने वाला पॉक्सो अधिनियम तभी प्रभावी होगा जब इसकी जानकारी आमजन तक पहुँचे और हर व्यक्ति इस दिशा में अपनी भूमिका निभाए। बाइट – गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, एडिशनल एसपी: "सशक्त समाज के लिए बच्चों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पॉक्सो अधिनियम की जानकारी समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचे, ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाया जा सके।"

वाहन रैली से दी जागरूकता की सीख

कार्यक्रम के बाद जिला कलेक्ट्रेट परिसर से पॉक्सो जागरूकता वाहन रैली को एडिशनल एसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में यातायात पुलिस, महिला पुलिस की कालिका टीम, तथा अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। रैली कलेक्ट्रेट से रवाना होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहाँ पुलिस कर्मियों ने हाथों में पॉक्सो अधिनियम से संबंधित जागरूकता संदेशों वाले पोस्टर लेकर नागरिकों को कानून की जानकारी दी।

डूंगरपुर: पत्नी की हत्या कर शव दफनाने वाले पति गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट



डूंगरपुर. डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के सुराता गांव में पत्नी की हत्या कर शव दफनाने के मामले में पुलिस ने आरोपी पति अरविंद रोत को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक राजकुमार राजोरा के अनुसार, अरविंद ने 27 सितंबर की रात अपनी पत्नी चेतना (30) की हत्या की। घटना को छिपाने के लिए आरोपी ने 29 सितंबर को अपनी दुकान के तहखाने में गड्ढा खोदकर शव दफनाया। 2 अक्टूबर को आरोपी ने स्वयं थाने में घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस ने एसडीएम की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने माना कि उसे पत्नी के चरित्र पर संदेह था। झगड़े के दौरान आवेश में आकर उसने पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस आरोपी से आगे की जांच कर रही है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।